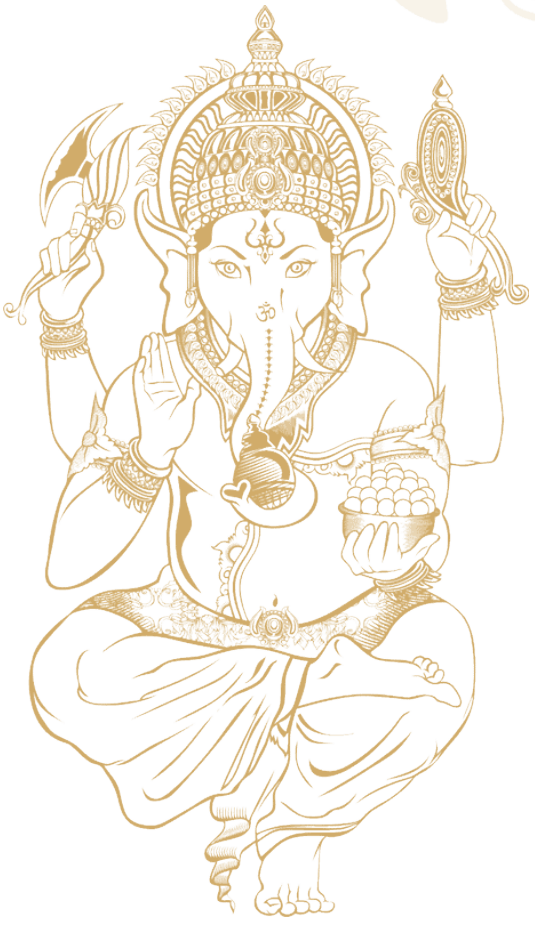

PRATIK

VANISHTA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121887802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/05/2001	जन्म तिथि	21/01/2001
शुक्र-शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 05:28:00	जन्म समय	13:50:00 घंटे
घटी 58:59:26	जन्म समय(घटी)	16:42:52 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Mhow
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:32:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:52:13	सूर्योदय	07:08:54
18:54:58	सूर्यास्त	18:07:26
23:52:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:03

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 5मा 4दि	12:37:58	मेष	लग्न	वृष	08:47:34	केतु 5वर्ष 6मा 3दि
राहु	20:41:39	मेष	सूर्य	मक	07:29:33	शुक्र
08/10/2012	17:25:38	कन्या	चंद्र	धनु	02:50:22	26/07/2006
09/10/2030	04:54:39	धनु	मंगल	तुला	22:46:19	26/07/2026
राहु 22/06/2015	03:47:20	वृष	बुध	मक	23:43:34	शुक्र 25/11/2009
गुरु 14/11/2017	20:28:40	वृष	गुरु व	वृष	07:20:52	सूर्य 25/11/2010
शनि 20/09/2020	11:25:31	मीन	शुक्र	कुंभ	24:31:41	चन्द्र 26/07/2012
बुध 09/04/2023	07:51:23	वृष	शनि व	वृष	00:12:17	मंगल 25/09/2013
केतु 27/04/2024	13:53:22	मिथु व	राहु	मिथु	21:40:37	राहु 25/09/2016
शुक्र 28/04/2027	13:53:22	धनु व	केतु	धनु	21:40:37	गुरु 27/05/2019
सूर्य 21/03/2028	00:43:08	कुंभ	हर्ष	मक	25:51:07	शनि 26/07/2022
चन्द्र 20/09/2029	14:53:48	मक	नेप	मक	12:12:33	बुध 26/05/2025
मंगल 09/10/2030	20:49:29	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:33:39	केतु 26/07/2026

लग्न-चलित

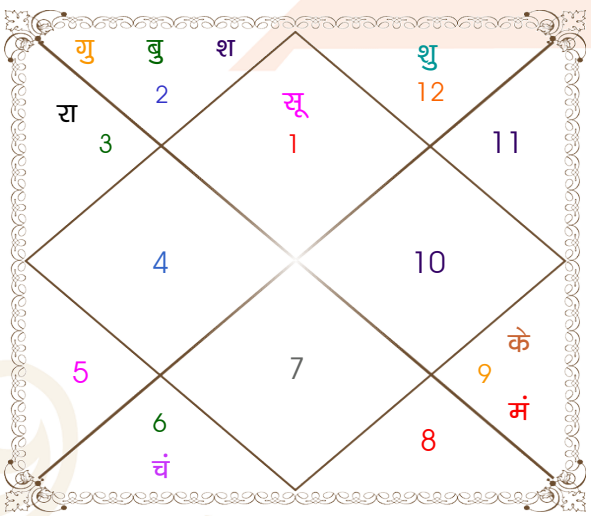

लग्न-चलित

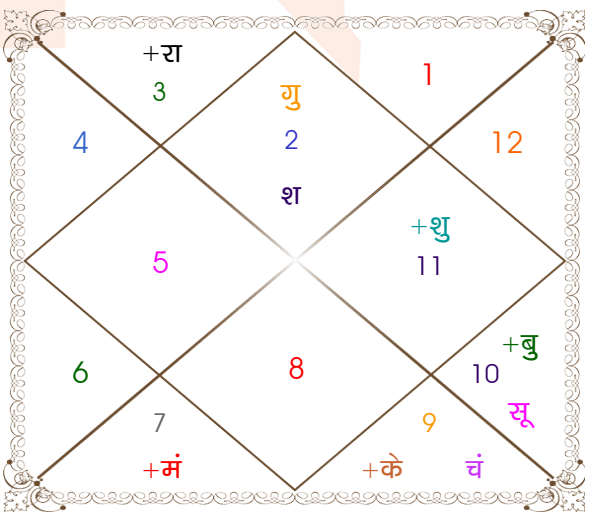

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

च्‍ ाज्प्ह का वर्ग श्वान है तथा ट ाछैप्भ्ज। का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्‍ ाज्प्ह और ट ाछैप्भ्ज। का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्‍ ाज्प्ह मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ट ाछैप्भ्ज। मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

च्‍ ाज्प्ह तथा ट ाछैप्भ्ज। में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।